बांबे डाइंग ने 1000 करोड़ रुपये के कारोबार का रखा लक्ष्य

- 2020 तक तय की लक्ष्य प्राप्ति की सीमा

कोलकाता. बांबे डाइंग ने 2020 तक 30 फीसदी की वृद्धि के साथ 1000 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य रखा है. कंपनी का पिछले वर्ष कुल राजस्व 305 करोड़ रुपये का था. बांबे डाइंग के सीइओ नागेश राजान्ना ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कंपनी अब निर्माता नहीं रही है, वरन पूरी तरह से रिटेलर है. कंपनी ब्रांड प्रमोशन में 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी. इसके साथ ही प्रत्येक वर्ष तीन से चार उत्पादों की लांचिंग करेगी. अगले 30 दिनों के अंदर डिजाइनर डिजिटल कलेक्शन लांच किया जायेगा. इसके साथ ही कंपनी युवाओं व शिशुओं के उत्पाद के बाजार में भी अपना कदम रखेगी. उन्होंने कहा कि फिलहाल पूरे देश में कंपनी के 5000 पारंपरिक मल्टी ब्रांड आउटलेट हैं. अगले चार वर्षों में इनकी संख्या बढ़ा कर 10 हजार करने का लक्ष्य रखा गया है तथा कंपनी के कुल 30 स्टोरों का विस्तार कर इन्हें एक्सपीरिएंस सेंटर के रूप में तब्दील किया जायेगा. कंपनी के 200 फ्रेंचाइज्ड स्टोर हैं. अगले चार वर्षों में इनकी संख्या बढ़ा कर 500 करने का लक्ष्य रखा गया है. उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में कंपनी के राजस्व में हिस्सेदारी फिलहाल 12 फीसदी है. अगले चार वर्षों में इसे 20 फीसदी तक करने का लक्ष्य रखा है. साथ ही 35 फ्रेंचाइच्ड स्टोर से बढ़ाकर 100 करने का लक्ष्य रखा गया है. प्रत्येक प्रेंचाइच्ड स्टोर में 50 लाख रुपये का निवेश होता है. उन्होंने नोटबंदी पर टिप्पणी करते हुए कहा कि नोटबंदी के बाद स्थिति स्थिर हो रही है. इससे चीन के उत्पादों का आयात घटा है तथा भारतीय कंपनियों को समान स्तर पर बिजनेस करने का अवसर मिल रहा है. उन्होंने कहा कि नवंबर में कंपनी की बिक्री में 50 फीसदी की गिरावट आयी थी, लेकिन दिसंबर में 30 फीसदी वृद्धि हुई है. इससे साफ है कि फिर से ग्राहकों का विश्वास लौटा है तथा ग्राहक खरीददारी करने लगे हैं.उन्होंने कहा कि कंपनी मार्च तक ई-कॉम पोर्टल लांच कर रही है. फिलहाल इ-कॉमर्स के माध्यम से कंपनी का कारोबार दो से तीन फीसदी है. 2020 तक इसे बढ़ाकर 10 फीसदी करने का लक्ष्य रखा गया है.